Name of the college – APSM College Baraun
Name → Dr. Rajesh Kumar Suman
Dept → Economics Date → 5.11.2021
Designation → [G.T]
Class → B.A Part-1
Paper → II

Name of the topic → Importance of Agriculture [Indian Economy]
Unit-03
⇒ Green Revolution →

⇒ फसल पद्धति [Cropping Pattern] → किसी क्षेत्र में वर्ष की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप बोये → मिट्टी का प्रकार एवं मिट्टी की उर्वरता, जल की उपलब्धता, जलवायु इत्यादि के आधार पर किसान खेती के लिये जिन फसलों के मिश्रण को चुनते हैं वह उस क्षेत्र का शस्य प्रतिरूप [फसल पद्धति] होता है। कृषि प्रणाली की बहुतायत भारतीय कृषि की मुख्य विशेषता रही है और इसकी वजह वर्षा पर निर्भर कृषि और कृषक समाज की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ है। किसी क्षेत्र फसल पद्धति सामान्यतया वहाँ मृदा और जलवायविक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। जो पूरे कृषि पर्यावरण में किसी फसल या फसलों के समूह के योजन और उपयुक्तता को तय करती है। इसलिये किसानों के द्वारा किसी फसल या खेती के तरीके को चुनते समय संभावित उत्पादकता और मौद्रिक लाभ दिशा-निर्देशक के रूप में काम करते हैं। प्रारंभ में किसानों द्वारा कृषि कार्यों का मुख्य उद्देश्य अपनी बाध्य आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। लेकिन हरित क्रांति के परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि होने के पश्चात् किसान वाणिज्यिक लाभ के उद्देश्य से वाणिज्यिक फसलों का उत्पादन करने लगे। फसल एवं फसल पद्धति का चयन निम्नलिखित कारकों के आधार पर किया जाता है।

⇒ भौगोलिक कारण → मृदा का प्रकार एवं उर्वरता, पानी की मात्रा खेत का आकार, जलवायु, जल की उपलब्धता आदि।

⇒ आधारभूत कारण → सिंचाई प्रणाली, यातायात, भंडारण, विपणन, मृदा संरक्षण आदि।

Scanned with CamScanner

~~आर्थिक कारण~~ →

⇒ आर्थिक कारण → भू- स्वामित्व, कृषि भूमि का आकार एवं प्रकार, वित्तीय एवं अन्य संसाधनों की स्थिति, लोगों की खाद्य आवश्यकताएँ, कृषि उत्पाद का न्यूनतम बाजार मूल्य, श्रम की उपलब्धता आदि।

⇒ कृषि आदान की उपलब्धता → उन्नत किस्म के बीजों, उर्वरकों एवं कीटनाशकों की उपलब्धता, मशीनीकरण का स्तर, प्रौद्योगिकी का उपयोग आदि।

'कृषि लागत एवं मूल्य आयोग' द्वारा कृषि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य जारी किये जाने के पश्चात से फसल पद्धति में काफी बदलाव आया है। जिस फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य अधिक होता है, किसान उसी फसल के उत्पादन को प्राथमिकता देते हैं।

उदाहरणस्वरूप- गेहूं और चावल के न्यूनतम समर्थन मूल्य में निरंतर वृद्धि के परिणामस्वरूप किसान इन फसलों के उत्पादन को प्राथमिकता देते हैं जिससे कि मोटे अनाज और दालों के अन्तर्गत बोए जाने वाले क्षेत्र में कमी हो रही है।

Scanned with CamScanner